प्रतियोगिता तत्परता केंद्र

(Competitive Readiness Centre)

कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, मर्रा

एक अभिनव पहल

एक परिचय:

संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र , मर्रा (पाटन) की स्थापना 4 जुलाई 2019 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, के एक घटक महाविद्यालय के रूप में की गई है । कालेज ग्राम-मर्रा, तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। यह दुर्ग रेलवे स्टेशन से लगभग 30 कि.मी. दूर और इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय , रायपुर मुख्य परिसर और छत्तीसगढ़ की राजधानी से 45 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। गुणवत्तापरक शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार कार्यों के साथ कृषि विज्ञान के अध्ययन और उन्नति के लिए पूर्ण समर्पण के साथ काम कर रहा है। ग्रामीण परिवेश में भी इस महाविद्यालय में स्मार्ट कक्षाओं, टिशू कल्चर प्रयोगशाला, हाई-टेक नर्सरी, आधुनिक प्रयोगशालाओं और प्रायोगिक गतिविधियो से छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और व्यावहारिक प्रशिक्षण आदि प्रदान करता है। लाइब्रेरी में अच्छी संख्या में पुस्तकें, पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। कोहा 20.05 एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ़्टवेयर के साथ पूर्ण स्वचालित पुस्तकालय का प्रबंधन क्रियान्वित है, जहां पुस्तकें और कई अन्य ई-संसाधनों की दूरस्थ पहुंच उपलब्ध है वही राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी के सदस्य के रूप में नामांकित है । छात्रों का समग्र विकास मुख्य उद्देश्य है, इसलिए खेल, एन.एस.एस., कैरियर मार्गदर्शन, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और प्रयोगात्मक शिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से अकादमिक कैलंडर के अनुसार आयोजित किए जाते हैं।

24 जनवरी 2024 को संत विनोबा-भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, मर्रा (पाटन) के परिसर में, प्रथम वार्षिक उत्सव “गम्मत-2024” के दिन मुख्य अतिथि माननीय विजय बघेल,तत्कालीन सांसद दुर्ग लोकसभा के कर कमलों एवं विशिष्ट अतिथि माननीय गिरीश चंदेल जी, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की गरिमामय उपस्थित में **प्रतियोगिता तत्परता केंद्र**, (Competitive Readiness Centre) की स्थापना, प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को सफलता हासिल करने के लिए आवश्यक योग्यता, ज्ञान, और मानसिकता को समुन्नत बनाने के उद्देश्य से

की गयी है। जहां विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबन्धित संसाधनों की उपलब्धता ,प्रतियोगी वातावरण, सामूहिक परिचर्चा ,विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन,तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है,जहां विद्यार्थी गण सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक सतत अध्ययन कर सकते है ।

प्रतियोगिता तत्परता केंद्र, (Competitive Readiness Centre) का संचालन अधिष्ठाता ,पुस्तकालयाध्यक्ष, एवं समस्त प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में कार्यरत छात्र-संघ कल्याण समूह एवं विद्यार्थियों द्वारा स्वयं किया जाता है।

पहल

- प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विद्यार्थियों के रुचि अनुरूप उनकी कैरियर निर्माण संबंधी लक्ष्य की पहचान कर उसे गति एवं दिशा देने हेतु समूह का गठन किया गया है । जैसे ,प्रशासनिक सेवा, बैंकिंग सेवा, कृषि शिक्षा, उद्यमिता विकास, उच्च शिक्षा एवं अन्य भर्ती परीक्षा की जानकारी एवं तैयारी हेतु विद्यार्थियों को उनके रुचि अनुसार संसाधन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है. समय समय पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण के द्वारा विद्यार्थियों के रुचि को पहचानने एवं उनकी योग्यता को सही दिशा की ओर ले जाने हेतु विद्यार्थियों से व्यक्ति गत चर्चा की जाती है.
- आज के डिजिटल युग में, प्रतियोगिता में एक अग्रणी स्थान हासिल करने के लिए तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। तदनुरूप समय-समय पर डिजिटल शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है ताकि नवीनतम तकनीकी नवाचारों का लाभ विद्यार्थियों को मिल सके। आज सूचना प्रौद्योगिकी में आये दिन नित नवीन सूचनाओं का प्रादुर्भाव हो रहा है ,इन सूचनाओं से विद्यार्थियों को अद्यतन रखने हेतु इंटरनेट की सुविधा प्रदान की गई है, साथ ही साथ वाई-फाई के माध्यम से विद्यार्थीगण ई-संसाधनों का भी भरपूर उपयोग कर रहे है॰
- समय समय पर संबन्धित विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन एवं कैरियर काउंसिलिंग का आयोजन सन्निहित है,संबंधित विषय के विशेषज्ञों को आमंत्रित किये जाने का प्रावधान किया गया है ,ताकि विद्यार्थी उन विषयों में उपलब्ध उच्च शिक्षा एवं बेहतर भविष्य की संभावनाओं से परिचित हो सके और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सही दिशा के साथ परीक्षाओं की तैयारी कर सके। कैरियर मार्गदर्शन हेतु आस-पास क्षेत्रों के अपने विषय में प्रसिद्धि हासिल करने वाले व्यक्तियों को प्रेरणा प्रदान करने हेतु आमंत्रित कर मार्गदर्शन एवं परिचर्चा-संवाद कार्यक्रम आयोजित करने का प्रावधान अभिकल्पित है

- संग्रह विकास हेतु **"पुस्तक दान... महादान** " कार्यक्रम चलाने का प्रावधान अभिकल्पित है, जिसके अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं, तथा संबन्धित विषय की पुस्तकें को समाज के विद्वान जनो,प्राध्यापकों,भूतपूर्व छात्रों,एवं समाजसेवी संगठनों से पुस्तकों को दान करने हेतु निवेदन प्रेषित किया जायेगा । स्वेक्षा से प्राप्त पुराने एवं नए पुस्तकों को संग्रह में सम्मिलित किया जावेगा, ताकि परीक्षा की तैयारी कर रहे समूहों को अधिकाधिक संसाधन बिना आर्थिक बोझ के प्राप्त हो सके तथा उन पुस्तकों का अधिकाधिक उपयोग कर सन्निहित ज्ञान का प्रसरण किया जा सके । यह एक पर्यावरण संरक्षण कार्य भी है, जिसमें पुराने पुस्तकों में निहित ज्ञान का उपयोग कर पेड़ पौधे से कागज़ बनाने में उपयोग को कम कर पेड़ो को बचाने का संदेश भी निहित है । पुस्तकें उपयोगार्थ है अतः अपने घर की आलमारी में कैद पुस्तकों को जीवंत बनाने एवं ज्ञान का प्रसार करना भी हमारा एक उद्देश्य है ।

- छात्र -शिक्षक सहयोग मॉडल का परिचालन से ही **प्रतियोगिता तत्परता केंद्र**, (Competitive Readiness Centre) का संचालन किया जाएगा । अध्ययन एवं प्रतियोगिता की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से प्राध्यापकों का अनुभव एवं मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को उचित दिशा की ओर प्रेरित करने हेतु छात्र -अध्यापक सहयोग मॉडल विकसित कर बेहतर वातावरण प्रदान करना तथा विद्यार्थियों की क्षमता को पहचान कर उसे उचित सहयोग प्रदान करना है ।

- व्यक्तित्व विकास पर ज़ोर अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व का परिष्कार करने का यह सुनहरा अवसर होता है, इसे ध्यान में रखते हुए व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है ।

- समूह परिचर्चा का आयोजन, आज के प्रतियोगी वातावरण में एक आवश्यक पहलू है अतः समय-समय पर समसामयिक विषयों पर परिचर्चा का आयोजन कर विद्यार्थियों के संचार कौशल का विकास करना तथा किसी भी इंटरव्यू में अपने प्रदर्शन को उत्कृष्ट बनाने हेतु उन विद्यार्थियों को प्रेरित करना भी हमारा उद्देश्य है ताकि इन विद्यार्थियों का साक्षात्कार के प्रति डर एवं झिझक को दूर किया जा सके।

- सुदूर ग्रामीण परिवेश में स्थापित इस महाविद्यालय में प्रतियोगिता वातावरण का निर्माण कर विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाना ही हमारा उद्देश्य है । प्रतियोगिता वातावरण में संसाधनों की उपलब्धता को सुनिश्चित कर सही दिशा में विद्यार्थियों को प्रतियोगिता की तैयारी हेतु प्रेरित करना हमारा लक्ष्य है ।

अतः प्रतिभागियों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने और सफलता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने हेतु एक बेहतरीन वातावरण तैयार करना है। प्रतिस्पर्धात्मक केवल कच्ची प्रतिभा या जन्मजात

क्षमता नहीं है; यह तैयारी, रणनीति और निरंतर सुधार का पर्याय है। कार्यशालाओं, सेमिनारों और नेटवर्किंग कार्यक्रमों के माध्यम से, प्रतिभागियों को विचारों का आदान-प्रदान करने, सर्वोत्तम संसाधन को साझा कर व्यक्तित्व विकास का अवसर प्रदान कर सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का एक सार्थक पहल, संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, मर्रा (पाटन) के **प्रतियोगिता तत्परता केंद्र**, (Competitive Readiness Centre) का है...

मार्गदर्शन : डॉ ओमप्रकाश परगनिहा,अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, मर्रा

आलेख : प्रवीण कुमार साहू ,सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

सहयोग : छात्र कल्याण समूह , कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, मर्रा

आभार : समस्त प्राध्यापक गण, कर्मचारी गण तथा छात्र-छात्राएं कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र , मर्रा

<u>प्रतियोगिता तत्परता केंद्र, (Competitive Readiness Centre) के विकास का छाया-चित्र</u>

प्रतियोगिता तत्परता केंद्र का उद्घाटन माननीय विजय बघेल,तत्कालीन सांसद दुर्ग लोकसभा के कर कमलों द्वारा दिनांक 24/01/2024

माननीय विजय बघेल,तत्कालीन सांसद दुर्ग लोकसभा के द्वारा दिनांक 24/01/2024 को **प्रतियोगिता तत्परता केंद्र पर अपना विचार लिखते हुए**

प्रतियोगिता तत्परता केंद्र पर परीक्षाओं की तैयारी करते विद्यार्थिगण

उपलब्ध प्रतियोगी संसाधनो का उपयोग

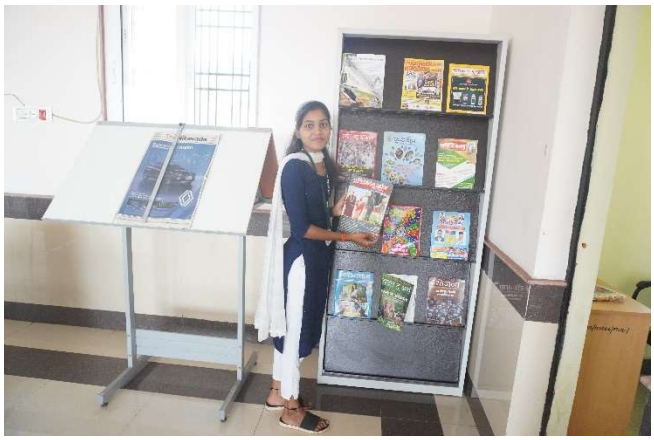

ग्रामीण परिवेश में छात्र संघ का अभिनव पहल

Career Guidance

Book Exhibition